हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

11 इमरजेंसी सेवाओं के वाहनों के अलावा नहीं चलने देंगे कोई भी वाहनः चाहर

12 आईजीपी ने कानून-व्यवस्था व दंगा-निरोधक तैयारियों की समीक्षा की

खबर संक्षेप

स्क्रैप की गाड़ी लूट के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। स्क्रैप से भरी गाड़ी लूटने और चौकीदार को अगवा करने के मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने छठे आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रभजोत सिंह पुत्र नवाब सिंह निवासी समाना, जिला पटियाला के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी कुलदीप ने बताया कि 21 अगस्त 2025 की रात को गांव कन्हड़ी के पास टोहाना रोड पर स्थित एक स्क्रैप की दुकान से करीब 6 नकाबपोश बदमाशों ने चौकीदार जोनी को जबरन कार में अगवा कर लिया था और दुकान के बाहर खड़ी स्क्रैप से भरी आईसर गाड़ी लूट कर फरार हो गए थे।

14 मार्च को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

फतेहाबाद। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा 14 मार्च को जिला व उपमंडल स्तर पर इस वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

दो भाइयों की मौत के मामले में रोडवेज चालक गिरफ्तार

फतेहाबाद। रोडवेज बस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत होने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना भूना पुलिस ने फरार बस चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी चालक की पहचान देवराज पुत्र प्रेम सिंह निवासी निडाना, जिला रोहतक के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी उप निरिक्षक औमप्रकाश ने बताया कि 2 फरवरी की शाम को नाढ़ोडी रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था।

श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में नेत्र जांच शिविर आज

सिरसा। श्री हनुमंत फाउंडेशन द्वारा जिला अंधता निवारण समिति के सहयोग से 8 फरवरी को आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद के आप्रेशन और ब्लड शुगर जांच का 278वां निःशुल्क मासिक चिकित्सा कैम्प नेहरू पार्क स्थित श्री हनुमंत चैरिटेबल अस्पताल में आयोजित किया जाएगा। मुख्य परियोजना संयोजक सुमन मित्तल ने बताया कि कैम्प में आँखों की बीमारियों की जांच नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. प्रवीण अरोड़ा व डा. महिप बंसल द्वारा की जाएगी।

लुणानंद महाराज की बरसी पर लगाया भंडारा

सिरसा। मोचीवाली माइनर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में श्रीश्री 1008 लुणानंद महाराज की 20वीं बरसी पर भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम सुबह सवा दस बजे मंदिर दरबार में भजन-कीर्तन से हुई। भजन गायक राजेंद्र सिंह जाखड़ ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर शुभारंभ किया। इसके बाद भजन गायक बृजलाल, देवीलाल, ताराचंद और इंद्रकुमार ने अनेक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

घर में घुसकर किया हमला, 4 आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव अलिका में पंचायती शेड के विवाद को लेकर एक परिवार पर घर में घुसकर जानलेवा हमला करने के मामले में कार्यवाही करते हुए रतिया पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी की पहचान सुखदेव सिंह उर्फ सुखा पुत्र रामजीलाल निवासी ढाणी प्यारा राम, अलीका के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरिक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस बारे सोमा राम ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी।

---

21 साल की उम्र में लूट, फायरिंग व रंगदारी मांगने के आरोप में पहला केस दर्ज

अकाउंटेंट की पढ़ाई कर रहे इकलौते बेटे ने अपराध की दुनिया में रखा कदम

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

टोहाना क्षेत्र के गांव बलियाला में एक घर ऐसा भी है, जहां कभी बेटे के उज्ज्वल भविष्य के सपने बुने गए थे। मां-बाप चाहते थे कि उनका इकलौता बेटा पढ़-लिखकर अकाउंटेंट बने, परिवार का नाम रोशन करे और सम्मान की जिंदगी जिए, लेकिन किस्मत ने ऐसी करवट ली, कि वही बेटा आज अपराध की दुनिया का हिस्सा बन गया। गांव बलियाला के उदित पर महज 21 साल की उम्र में लूट, फायरिंग व रंगदारी मांगने के आरोप में पहला केस दर्ज हो गया है। उदित टोहाना में ट्रेडिंग कंपनी के संचालक की दुकान से 1.50 लाख लूटने वाले तीन आरोपियों में शामिल है। उसे पुलिस पकड़ कर रिमांड पर ले चुकी है।

बॉक्सर गैंग के जरिए शुरू की बदमाशी

कैसे आया कमल बच्ची के संपर्क में

टोहाना में पढ़ाई के दौरान ही उदित की मुलाकात करीब एक साल पहले बदमाश कमल बच्ची से हो गई। इसके बाद अक्सर वह कमल बच्ची के साथ बैठकर शराब पीने लगा। कमल बच्ची बॉक्सर गैंग के लिए काम करता है। इसी कमल बच्ची को टोहाना में ही दो साल पहले बर्गर-13 नामक रेस्टोरेंट पर फायरिंग करके 50 लाख रंगदारी मांगने के आरोप में पकड़ा गया था। फायरिंग करने के पीछे इनका मकसद क्षेत्र में अपना दबदबा कायम करना था। इसी गैंग से जुड़े लोग पहले भी फायरिंग करके रंगदारी मांगने जैसे अपराधों को अंजाम दे चुके हैं।

फतेहाबाद। लूटपाट मामले में गिरफ्तार उदित। फोटोः हरिभूमि

पैसों का लालच देकर अपराध की दुनिया में लाया

व्यापारी से लूट मामले में गिरफ्तार उदित के पिता सुभाष टोहाना में ही स्थित एक फैक्ट्री में जॉब करते हैं, जबकि उसकी मां गृहिणी है, उदित की दो बहनें भी हैं। पिता रोजाना गांव से करीब दस किलोमीटर दूर फैक्ट्री में काम करने आते हैं। उदित ने टोहाना से ही बीए तक की पढ़ाई की है। अब वह पिछले एक साल से टेली सीखकर अकाउंटेंट बनने की तैयारी कर रहा था, ताकि नौकरी करके परिवार का सहारा बन सके। सूत्रों का कहना है कि उदित को कमल बच्ची ने ही आपराधिक गतिविधियों के जरिए मोटे पैसे कमाने का लालच देकर अपने साथ इस वारदात में शामिल कर लिया।

सोशल मीडिया बना बदमाशों की कमजोरी

टोहाना लूट कांड के खुलासे में इस बार सोशल मीडिया बदमाशों के लिए सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुआ। लूट की वारदात के बाद दहशत फैलाने और अपनी दबंगई दिखाने के मकसद से आरोपी कमल उर्फ बच्ची द्वारा इंस्टाग्राम पर डाली गई धमकी भरी पोस्ट ने पुलिस को अहम सुराग दे दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार 6 फरवरी को आरोपी द्वारा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से लूट की घटनाओं से जुड़ी आपत्तिजनक व धमकीपूर्ण पोस्ट की गई थी। जिले की सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम ने तुरंत इस पर संज्ञान लिया और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपियों की लोकेशन व गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी। तकनीकी इनपुट और ग्राउंड इंटेलिजेंस के तालमेल से सीआईए टोहाना की टीम को अगली ही सुबह सूचना मिली कि दोनों आरोपी टाउन पार्क क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर घूम रहे हैं। यही सूचना आगे चलकर मुठभेड़ और दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी का आधार बनी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आज के दौर में अपराधी खुद ही डिजिटल सबूत छोड़ रहे हैं, जिससे कानून के शिकंजे से बच पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। सोशल मीडिया पर की गई एक छोटी सी गलती भी बड़े अपराधियों तक पुलिस को पहुंचा देती है।

बॉक्सर गैंग ने दो साल बाद फिर की वारदात

बॉक्सर गैंग का मुख्य सदस्य कमल बच्ची है। वही क्षेत्र के युवाओं को इस गैंग से जोड़ता है। गैंग का वर्चस्व बढ़ाने के इरादे से टोहाना में अपराधिक वारदातों को अंजाम दिया जाता है। इससे जहां दुकानदारों से लाखों रुपए हड़पने का प्रयास किया जाता है, वहीं, साथ ही दहशत फैलाने की कोशिश की जाती है। साल 2023 में रेस्टोरेंट पर फायरिंग के बाद करीब दो साल बाद फिर से रंगदारी मांगने की वारदात इस गैंग ने की है। एक बार फिर गैंग ने एक्टिव होने का प्रयास किया है। आरोपी कमल रेस्टोरेंट में फायरिंग मामले के बाद जमानत पर चल रहा है।

सिरसा। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के विजेता रहने पर खुशी मनाते।

अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने पर शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज में जश्न

- कनिष्क चौहान के शानदार प्रदर्शन पर खुशी की लहर

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के छठी बार विश्व विजेता बनने और वर्ल्ड कप में शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज सिरसा एवं शाह सतनाम जी क्रिकेट एकेडमी के ऑलराउंडर खिलाड़ी कनिष्क चौहान के शानदार प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर शनिवार को कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों, साथी खिलाड़ियों और स्टाफ सदस्यों ने जमकर जश्न मनाया। कॉलेज प्रांगण में ढोल की थाप पर विद्यार्थियों ने भांगड़ा डालकर खुशी जाहिर की। इस दौरान एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर भारत की जीत और कनिष्क चौहान की सफलता पर बधाइयां दी गईं। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. दिलावर सिंह, शाह सतनाम जी क्रिकेट एकेडमी से जसकरण सिंह सिद्धू सहित स्टाफ सदस्यों ने मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और कनिष्क के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं शाह सतनाम जी शिक्षण संस्थान के प्रशासक चरणजीत इन्सां, हैड कोच डॉ. नवजीत भूल्लर, रिटायर्ड कर्नल नरेंद्र पाल सिंह तूर तथा सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने भी कनिष्क चौहान को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। शाह सतनाम जी बॉयज कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दिलावर सिंह ने कहा कि यह सिरसा, हरियाणा और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है कि भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि फाइनल ईयर के छात्र कनिष्क चौहान का इस जीत में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

नाम रोशन किया

सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल ने कहा कि कनिष्क चौहान ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों ही क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन कर सिरसा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि कनिष्क मेहनती खिलाड़ी है और मिले हर अवसर को भुनाना जानता है। डॉ. बैनीवाल ने विश्वास जताया कि भविष्य में कनिष्क आईपीएल जैसे बड़े मंच पर खेलकर अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अनुभव हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी को तराशने में शाह सतनाम जी क्रिकेट एकेडमी का बड़ा योगदान रहा है।

---

29 किलो चूरापोस्त सहित दो काबू

- हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सिरसा यूनिट ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सिरसा यूनिट ने शहर के कीर्तिनगर क्षेत्र से दो नशा तस्करों को करीब 29 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सिरसा यूनिट इंचार्ज वीरेंद्र सिंह ने शनिवार को बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि कार सवार दो युवक कीर्तिनगर क्षेत्र में नशा बेचने की फिराक में हैं। पुलिस ने सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान एक कार आती दिखाई दी जो कि सामने पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ गए। पुलिस ने शक के आधार पर कार का पीछा कर उसे रोका और तलाशी ली तो कार से 29 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। पकड़े गए तस्करों की पहचान सिरसा निवासी विवेक व संजय के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिरसा। पकड़े गए चूरापोस्त तस्कर। फोटोः हरिभूमि

फायर कर्मियों ने फूंका उद्योग मंत्री का पुतला

- आपत्तिजनक बयान के विरोध में प्रदर्शन, माफी न मांगने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

प्रदेश के उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह द्वारा फायर विभाग के कर्मचारियों के खिलाफ आपत्तिजनक बयान के विरोध में शनिवार को नगर पालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा संबंधित शाखा अग्निशमन विभाग हरियाणा राज्य कमेटी के आह्वान पर कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह का पुतला फूंका। साथ ही चेतावनी दी कि अगर समय रहते मंत्री द्वारा फायर विभाग के कर्मचारियों से माफी नहीं मांगी गई तो आगामी समय में अनिश्चितकालीन हड़ताल भी हो सकती है। प्रदर्शन की अध्यक्षता फायर विभाग युनियन के जिला प्रधान राजेश खिचड़ ने की।

सिरसा। उद्योग मंत्री का पुतला फूंकते अग्निशमन कर्मचारी। फोटोः हरिभूमि

मांगें पूरी करें

भाजपा सरकार कर्मचारियों की सभी मांगों को पूरा करें, अन्यथा 12 फरवरी को की जा रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल में एक-एक कर्मचारी हड़ताल पर जाएगा और पूरे भारत में चक्का जाम होगा। प्रदर्शन में सुखदेव सिंह, सर्व कर्मचारी संघ से मदनलाल खोथ, रमेश सनी, ललित सोलंकी ब्लॉक प्रधान सर्व कर्मचारी संघ, रमेश बिजली विभाग, अजय पासी, महेंद्र शर्मा, अशोक पटवारी, बाबूलाल बिजली विभाग से, नगर पालिका से नरेश प्रधान, ऐलनाबाद से कुलदीप सहित फायर विभाग के साथी उपस्थित थे।

इग्नू स्टडी सेंटर में डीएनएचई कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय में स्थापित इग्नु सेंटर के कोऑर्डिनेटर डॉ. विक्रमजीत ने बताया कि सत्र जनवरी 2026 के लिए डिप्लोमा इन न्यूट्रिशन एंड हेल्थ एजुकेशन कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि डीएनएचई एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है, जो पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। यह कोर्स विशेष रूप से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम, हेल्थ वर्कर्स, शिक्षकों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में प्रवेश के लिए 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। डीएनएचई करने के बाद विद्यार्थी आंगनवाड़ी, आईसीडीएस परियोजनाओं, एनजीओ, स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण जागरूकता जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

जानलेवा गड्ढा : बाइक सवार युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शहर के चंडीगढ़ रोड पर हुए एक हादसे में बाइक सवार गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान सुंदर नगर निवासी 44 वर्षीय राकेश के रुप में हुई है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि राकेश अपनी बाइक पर आ रहा था, तभी अचानक एक गड्ढे में बाइक गिरने से उसका संतुलन बिगड़ गया। बाइक हवा में उछलकर दूर जा गिरी और राकेश उछल कर सड़क पर गिरा। राकेश ट्रक यूनियन में काम करता है। यूनियन के प्रधान विकास गर्ग ने बताया कि राकेश चंडीगढ़ रोड पर यूनियन के प्रचार के काम से गया था। हादसे के बाद से उसका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है, और यूनियन उसके इलाज में सहयोग कर रही है।

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में कक्षा 9वीं व 11वीं में दाखिले के लिए शनिवार को जिला में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण ढंग से संपंन हुई। उपायुक्त एवं पीएम श्री स्कूल जेएनवी खारा खेड़ी के अध्यक्ष डॉ. विवेक भारती के दिशा निर्देशानुसार प्रशासन व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने बताया कि पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी के परीक्षा केंद्र पर कक्षा 11वीं की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के दौरान कुल 127 विद्यार्थी उपस्थित पाए गए, जिनमें 49 छात्र व 78 छात्राएं सम्मिलित रहीं। शेष विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार से डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, पुलिस लाइन परीक्षा केंद्र पर कक्षा 9वीं की परीक्षा आयोजित की गई। कक्षा 9वीं के लिए कुल 407 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 203 छात्र व 204 छात्राएं थीं।

फतेहाबाद। पीएम श्री स्कूल जेएनवी खारा खेड़ी में दाखिले के लिए परीक्षा देते हुए अभ्यर्थी।

दो पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण राज्य के मौसम में बदलाव होगा

रबी फसलों को शुष्क परिस्थितियों और गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए सिंचाई करें

आठ साल बाद फरवरी के पहले हफ्ते में चढ़ा पारा, 10 तक परिवर्तनशाली रहेगा मौसम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फरवरी के पहले सप्ताह ही प्रदेश में मौसम में बदलाव आया है। शनिवार को यहां तेज धूप के चलते तापमान में खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यहां का अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4 से 5 डिग्री ज्यादा है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि फरवरी माह के पहले सप्ताह में ऐसा मौसम 8 साल बाद देखा जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार 15 दिन पहले ही तामपान बढऩे लगा है। आमतौर पर 20 फरवरी के बाद देखा जाता है कि तापमान में बढ़ोतरी होती है, मगर फरवरी के शुरुआती दिनों में ही तापमान बढ़ रहा है। ऐसे में तापमान में इस उछाल और शुष्क मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश में मौसम आमतौर पर 10 तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है।

फतेहाबाद। धूप में लहलहाती गेहूं की फसल। फोटोः हरिभूमि

10 को आंशिक बादलवाई छाई रहेगी

प्रदेश में मौसम आमतौर पर 10 फरवरी तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान लगातार दो पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण राज्य के मौसम में बदलाव होगा। 9 फरवरी को एक्टिव होने वाले पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण 9 फरवरी रात्रि व 10 फरवरी को राज्य में आंशिक बादलवाई छाई रहेगी। इसके अलावा कहीं कहीं हवाओं व गरज चमक के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है।

-डॉ मदन खीचड़, विभागाध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग, एचएयू हिसार

इस दौरान लगातार दो पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव के कारण राज्य के मौसम में बदलाव होगा। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि गेहूं, सरसों और चने जैसी रबी फसलों को शुष्क परिस्थितियों और गर्मी के प्रभाव से बचाने के लिए सिंचाई करें।

संत नगर के खिलाड़ियों ने नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला के गांव संत नगर के खिलाड़ियों ने राजस्थान के अजमेर में आयोजित 7वीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित की गई, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से हजारों खिलाड़ियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप में संत नगर के हरजिंद्र सिंह भंगू ने 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैमर थ्रो इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। वहीं आत्मा राम सेठी ने 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ट्रिपल जंप इवेंट में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक प्राप्त किया। इसी प्रकार सोहन सिंह चहल ने 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैमर थ्रो में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया, जबकि भीम सिंह ने 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैमर थ्रो इवेंट में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। आयोजक संस्था की ओर से चारों खिलाड़ियों को उनकी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा के लिए मेडल, प्रशस्ति पत्र व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इन खिलाड़ियों ने पूर्व में भी कई राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10–12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लगाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेश: 5,500 रुपये
- सालाना निवेश : 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में) : लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न : लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस : लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाता है। आपको बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6–15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर

कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अमीर बनने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरुआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरुआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित

हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं

कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रुपया लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।

एसआईपी में निवेश क्यों करें

- नियमित और अनुशासित निवेशः एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
- कम रकम से शुरुआतः 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
- रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभः बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज ग्रोथ।
- विविधीकरण और कर लाभः म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और ईएलएसएस के माध्यम से टैक्स में बचत।

कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। बैंक एफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकता है। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरुआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपको लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे : पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दरें देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।

2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।

3. रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरुआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी पाने वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।

4. डेट म्यूचुअल फंड
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉरपोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।

5. लिक्विड फंड
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसों को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।

6. कॉरपोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।

ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीकों से भी बढ़ा सकते हैं कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरीपेशा हैं और सिर्फ सैलरी पर ही जीवन काट रहे हैं तो आप अपनी गुजर बसर तो कर लेंगे, लेकिन अच्छा पैसा एकत्र नहीं कर पाएंगे। ऐसे में नौकरी के साथ कुछ छोटा मोटा स्टार्टअप शुरू करें और अपनी पूंजी को बढ़ाएं। पैसा कमाने के कुछ स्मार्ट तरीके भी हो सकते हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी नौकरी जिंदगी को स्थिरता देती है, लेकिन बदलते समय में सिर्फ सैलरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। आज के दौर में एक अच्छी नौकरी मिलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। नौकरी आपको हर महीने तय इनकम देती है, जिससे घर चलता है, बच्चों की पढ़ाई होती है और रोजमर्रा की जिम्मेदारियां पूरी होती हैं, लेकिन बदलते समय के साथ सिर्फ नौकरी पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा भी हो सकता है। कंपनी की स्थिति बदली, बाजार में मंदी आई या आपकी भूमिका खत्म हुई तो पूरी फाइनेंशियल प्लानिंग हिल सकती है। इसलिए अब नौकरी के साथ-साथ स्मार्ट तरीके से कमाई बढ़ाने की जरूरत है।

नौकरी को बनाएं अपनी सबसे मजबूत नींव

कमाई बढ़ाने का पहला और सबसे मजबूत रास्ता आपकी मौजूदा नौकरी से ही शुरू होता है। अपनी स्किल्स को अपडेट करना, नई जिम्मेदारियां लेना और खुद को कंपनी के लिए ज्यादा वैल्यूएबल बनाना लंबे समय में सैलरी और प्रमोशन दोनों दिला सकता है। हर किसी के पास कोई न कोई टैलेंट होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोग उसे सिर्फ शौक तक सीमित रखते हैं, जबकि कुछ उसे कमाई का जरिया बना लेते हैं। अगर आपके पास समय और एनर्जी है, तो पढ़ाना, कंटेंट लिखना, डिजाइन, ऑनलाइन कंसल्टिंग या डिजिटल काम जैसे साइड प्रोजेक्ट शुरू किए जा सकते हैं। शुरुआत भले ही छोटी हो, लेकिन समय के साथ यही साइड इनकम आपकी बड़ी फाइनेंशियल ताकत बन सकती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे आपकी नौकरी पर कोई सीधा दबाव नहीं पड़ता।

कमाई बढ़ाने का साइलेंट हथियार है निवेश

काम करके पैसा कमाना जरूरी है, लेकिन पैसे से पैसा बनाना भी उतना ही अहम है। निवेश वह तरीका है जो बिना शोर किए आपकी संपत्ति को धीरे-धीरे बढ़ाता है। नियमित एसआईपी, लॉन्ग-टर्म फंड्स या सुरक्षित विकल्प आपको भविष्य की बड़ी जरूरतों के लिए तैयार करते हैं। निवेश आपको आज अमीर नहीं बनाता, लेकिन कल के लिए मजबूत बनाता है. जो लोग जल्दी इसकी आदत डालते हैं, वे आगे चलकर ज्यादा तनाव-मुक्त रहते हैं।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल

कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा कवच होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।

नई स्किल्स से खुलेंगे नए रास्ते

आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्किल्स आज काम की हैं, जरूरी नहीं कि कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई स्किल्स आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर फ्रीलांस मौके भी दिला सकती हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।

लाइफस्टाइल और कमाई में संतुलन जरूरी

कमाई बढ़ने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी असुरक्षित रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी ले पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरुआत करें

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरुआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपको कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव

कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंस्ट्रूमेंट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान

अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे : हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटीरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंट्रेंस एग्जाम फीस, इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रैवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाते समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ

- रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखता है
- एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
- टैक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
- पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
- हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।

लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं

बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।

खबर संक्षेप

श्री गुरु रविदास मंदिर में चोरी के दो आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव भोडिया खेड़ा के मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गुरदीप उर्फ गुजर पुत्र काला राम निवासी गांव चन्दड खुर्द तथा राजू पुत्र विजेंदर निवासी टिब्बा बस्ती, टोहाना के रूप में हुई है। थाना प्रभारी सादीराम ने बताया कि इस बारे गांव के सरपंच प्रतिनिधि व मंदिर के कैशियर इन्द्र सिंह द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में बताया कि 2 फरवरी की रात को भोडिया खेड़ा स्थित श्री गुरु रविदास मंदिर से चोरों ने दान पात्र चोरी कर लिया था, जिसमें करीब 25 हजार रुपये की नगदी थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

फर्जी बैंक खाते से किया फ्रॉड, आरोपी को पकड़ा

फतेहाबाद। जरूरतमंद लोगों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलकर फ्रॉड करने के मामले में कार्रवाई करते हुए इकनोमिक सैल फतेहाबाद ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कपिल कुमार पुत्र प्रदीप कुमार निवासी गुरुनानकपुरा मोहल्ला, फतेहाबाद के रूप में हुई है। इकनोमिक सैल प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि इस बारे संजय कुमार निवासी गुरुनानकपुरा, फतेहाबाद द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी द्वारा बैंक कर्मियों की मिलीभगत से गरीब व जरूरतमंद लोगों के नाम पर फर्जी/दुरुपयोग वाले बैंक खाते खुलवाए गए। इन खातों को आरोपी द्वारा अपने मोबाइल नंबर से संचालित किया जाता था। इन फर्जी खातों के माध्यम से जुआ, सट्टा, फर्जी कंपनियों, जीएसटी चोरी तथा अन्य अवैध गतिविधियों से अर्जित काले धन का लेन-देन, विदेशों में धन प्रेषण एवं बेनामी संपत्तियों की खरीद किए जाने के आरोप हैं।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर कर्मचारियों ने बनाई रणनीति

इमरजेंसी सेवाओं के वाहनों के अलावा नहीं चलने देंगे कोई भी वाहन: चाहर

- रोडवेज के सभी संगठनों ने संयुक्त रूप से इस लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की आगामी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर स्थानीय बस स्टैंड परिसर में बैठक हुई। यूनियन के प्रदेश प्रवक्ता एवं सिरसा डिपो प्रधान पृथ्वी सिंह चाहर, सतपाल सिंह, रोहताश कुमार ने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे और कोई भी वाहन नहीं चलने देंगे, चाहे रोडवेज हो, चाहे ट्रक हो, चाहे कार-जीप। सिर्फ और सिर्फ इमरजेंसी व्हीकल ही चलेंगे। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान को संयुक्त किसान मोर्चा ने समर्थन देने का निर्णय लिया है। सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा एवं हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने इन मांग मुद्दों से सहमति रखते हुए रोडवेज कर्मचारियों के हित में इस आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि सरकार की कर्मचारी व किसान विरोधी नीति के कारण संयुक्त किसान मोर्चा अन्य जन संगठनों, रोडवेज के सभी संगठनों से संयुक्त रूप से इस लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लिया है। इस मीटिंग में मदनलाल खोथ, रमेश कुमार सैनी, अशोक पटवारी, दरिया सिंह और सतपाल सिंह रुपावास, जम्मू सिंह और सिरसा डिपो सांझा मोर्चा के सभी पदाधिकारीगण मौजूद थे।

कर्मचारी नेताओं ने बताया कि उच्च न्यायालय ने भी पद सृजन एवं कर्मचारियों को नियमित करने के संघर्ष की दिशा को न्यायोचित माना है, इसके बावजूद सरकार द्वारा सार्वजनिक विभागों को संकुचित करने व पद समाप्त करने, कर्मचारियों को कच्चा रखने, पेंशन से वंचित रखने, नियमों के अनुसार पक्की भर्ती न करने, रोडवेज का निजीकरण करने व चिकित्सा सुविधाओं में आय आधारित शर्तें लागू करने, हरियाणा का अलग से आठवां वेतन आयोग गठन करने तथा चालकों-परिचालकों व क्लर्क का वेतनमान बढ़ाने बारे संज्ञान न लेने, कर्मचारियों के देय अर्जित अवकाश को कम करने व 10 साल का बोनस पेंडिंग रखने व रोडवेज में इलेक्ट्रिक बसों के बहाने किलोमीटर स्कीम की बसों को बढ़ाने, बार-बार कर्मचारियों से बातचीत कर सहमति देने उपरांत मांगों को लागू न करने व कर्मचारियों के हक के 28 श्रम कानून को बदलकर मजदूर व कर्मचारी विरोधी चार लेबर कोड्स लागू करने और हिट एंड रन जैसे कड़े कानून लागू करने, रोडवेज का निजीकरण करने जैसी परिस्थितियों में व्यापक संगठित और संयुक्त आंदोलन समय की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। उन्होंने बताया कि चार लेबर कोडस को लागू करने का उद्देश्य मजदूरों और कर्मचारियों को गुलामी की स्थितियों में धकेलना है और उन्हें सभी वैधानिक अधिकारों जैसे न्यूनतम वेतन, काम के घंटे, सामाजिक सुरक्षा, संगठित होने का अधिकार, सामूहिक सौदेबाजी का अधिकार, हड़ताल का अधिकार आदि से पूरी तरह वंचित करना है।

सिरसा। राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर चर्चा करते हुए रोडवेज कर्मचारी।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक

रतिया। रिटायर्ड कर्मचारी संघ ब्लॉक नागपुर की मासिक बैठक जगजीत सिंह ब्लॉक प्रधान की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन राजकुमार ब्लॉक सचिव ने किया। जिला प्रधान भोला सिंह ने विशेष रूप से बैठक में भाग लिया। मीटिंग का मुख्य एजेंडा 12 फरवरी की राष्ट्रीय हड़ताल में हिस्सा लेने के लिए कर्मचारियों को तैयार करना रहा। इसके अलावा बैठक में 22 व 23 फरवरी को होने वाले रिटायर्ड कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। जिला प्रधान भोला सिंह ने कहा कि बजट में आम जनता के लिए कोई प्रावधान नहीं है और सारे का सारा बजट पूंजी पतियां एवं मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए तैयार किया गया है। इसमें आम जनता के लिए न तो कोई रियायत नहीं दी गई है और ना ही अन्तरिम बजट में आठवें वेतन आयोग का कोई जिक्र है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने 12 फरवरी की आम हड़ताल में सबक नहीं लिया तो आने वाले समय में सरकार को तीखे आंदोलनो का का सामना करना पड़ेगा। मीटिंग में हरबंस सिंह, जयवीर, सुरेश चंद, तुलसी राम, देवराज, गांदुर सिंह, जगजीत सिंह, लक्ष्मण सिंह, सीताराम आदि मौजूद रहे।

फतेहाबाद। बैठक को संबोधित करते बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा।

भाजपा का किसान श्रमिक सम्मेलन का आयोजन आज

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भूना रोड स्थित बीजेपी जिला कार्यालय में 8 फरवरी किसान श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर आज भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने पदाधिकारियों की बैठक ली तथा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर मंथन किया। जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ड्युटियां भी लगाई। जोड़ा ने बताया कि इस सम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शिरकत करेंगे। किसानों व श्रमिकों को संबोधित करते हुए बराला केन्द्रीय बजट में किसानों व मजदूरों के लिए की गई घोषणाओं का वर्णन करेंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील कर किसानों, पशु पालकों व किसान मजदूरों के लिए भी विकास के नए रास्तों का निर्माण किया है। नए ट्रेड डील के मुताबिक विदेशों से सब्जियां और मिश्रित डिब्बा बंद सब्जियां निर्यात नहीं होंगी, जिससे किसानो को और अधिक फायदा होगा। किसान सुरक्षित देश सुरक्षित नारे के तहत मसालों को लेकर भी इंटरनेशनल लेवल पर ट्रेड डील की गई है, जिसे मसालों की खेती करने वाले किसानों को और अधिक लाभ पहुंचेगा। इसके अलावा बहुत सी अनाज की किस्में ऐसी हैं, जो विदेश से आती थी, लेकिन अब वह नहीं आएंगी और भारतीय किसानों को उक्त फसलों की पैदावार के लिए बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार आम बजट में हुई बहुत सी घोषणाओं की जानकारी दी जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस मीटिंग में जिला महामंत्री विकास ललौदा, भीम लाम्बा, शम्मी ढींगड़ा, विज्ञान सागर बाघला, ज्ञानीराम, विनोद श्योराण, भूप सिंह सिंघड़, जयदीप गोदारा, अजैब सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएवी रतिया में जेंडर सेंसिटिव विषय पर कार्यशाला आयोजित

रतिया। डीएवी पब्लिक स्कूल, रतिया में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत जेंडर सेंसिटिव विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में सुनीता देवी एवं सुनील वर्मा उपस्थित रहे उन्होंने जेंडर सेंसिटिव विषय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यालयी वातावरण में समानता, सम्मान एवं संवेदनशील व्यवहार की आवश्यकता पर बल दिया।

- विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा

कार्यशाला के दौरान बताया गया कि शिक्षण प्रक्रिया में जेंडर सेंसिटिव दृष्टिकोण अपनाकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास तथा सकारात्मक सोच को सुदृढ़ किया जा सकता है। विषय को प्रभावी बनाने हेतु व्यावहारिक उदाहरणों एवं गतिविधियों का प्रयोग किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या मोनिका खन्ना ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों का जेंडर सेंसिटिव होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे विद्यालय में एक सुरक्षित, समावेशी एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। इस कार्यशाला में विद्यालय के लगभग 60 अध्यापकों ने भाग लिया तथा इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मां शीतला मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम

रतिया। मां शीतला मंदिर सेवा ट्रस्ट रतिया की तरफ से मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ करवाया गया। प्रातःकाल हवन यज्ञ से कार्यक्रम से शुरुआत हुई तथा श्री राम भगत सेवा मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। बांके बिहारी महिला मंडल, श्री अमरनाथ महिला मंडल, श्री बाबा रामदेव महिला मंडल, मां शीतला मंदिर सेवा महिला मंडल द्वारा संकीर्तन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान आए हुए यजमानों को सम्मानित किया । इस मौके पर श्री श्याम बंसल, प्रधान इच्छापूर्ति काली माता मंदिर, लक्ष्मण बंसल, राजेंद्र मोंगा बिट्टू, राजेश सेतिया प्रधान शक्ति नाटक क्लब, रमेश लाकड़ी, करनैल सागू, मास्टर महेश, करमजीत कौर, सुरजीत सिंह सिद्धू, पुजारा लाल चुघ आदि रहे।

श्री हरिमंदिर साहिब में लंगर सेवा को लेकर रतिया में हुई कमेटी की बैठक

रतिया। श्री हरिमंदिर साहिब स्थित श्री गुरु रामदास महाराज जी के लंगर में हर वर्ष की भांति जिला फतेहाबाद, हिसार एवं भिवानी क्षेत्र की संगत को 4 व 5 मार्च की लंगर सेवा मिली है। इस सेवा को लेकर आज फतेहाबाद रोड स्थित गुरूद्वारा साहिब की लाइब्रेरी में श्री गुरु रामदास लंगर कमेटी की बैठक प्रधान सुखविंद्र सिंह टोहाना की अध्यक्षता में हुई। बैठक में श्री गुरु रामदास जी के लंगर में सेवा के लिए तैयारियों संबंधी विचार विमर्श किया गया। कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह अहरवां ने बताया कि श्री हरिमंदिर साहिब स्थित श्री गुरु रामदास जी के लंगर में सेवा संबंधी तीनों जिलों की संगत सेवा करती है। इस बार 4 व 5 मार्च को क्षेत्र की संगत को सेवा मिली है जिसके संबंध में श्री गुरु रामदास लंगर कमेटी की बैठक रखी गई थी। इस संबंध में 3 मार्च को सुबह यहां से संगत रवाना होगी। उन्होंने क्षेत्र की संगत से आग्रह किया गया है कि बढ़ चढ़ सेवा में शामिल हो। इस मौके पर बीबी अमरजीत कौर बाड़ा, काका सिंह लधुवास, महेंद्र सिंह वधवा, रणजीत सिंह भानीखेड़ा, रजिंद्र सिंह, किशन सिंह, अवतार सिंह, जगसीर सिंह, हरप्रीत सिंह हैप्पी आदि मौजूद रहे।

- 3 मार्च को सुबह यहां से संगत रवाना होगी

एलुमनाई एसोसिएशन के चुनाव 22 मार्च को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज की एलुमनाई एसोसिएशन जीएनसी सिरसा ट्रस्ट की बैठक प्राचार्य डॉ. अनीता माडिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूर्व प्राचार्य प्रो. रंजीत सिंह, पूर्व प्राचार्य प्रो. महेंद्र प्रदीप, पूर्व प्राचार्य डॉ. रविंदर पुरी, सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रो. कृष्ण गोपाल, एसोसिएट प्रो. सुरिंदर सिंह, सहायक प्रो. गीता कुमारी एवं शेर सिंह आदि मौजूद थे। बैठक में एलुमनाई एसोसिएशन जीएनसी सिरसा ट्रस्ट के आगामी चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा सर्वसम्मति से चुनाव कार्यक्रम को स्वीकृति प्रदान की गई। मतदाता सूची से संबंधित कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक प्रो. शेर सिंह एवं प्रो. गीता कुमारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अनुसार आगामी 14 फरवरी को प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जाएगा। आगामी 16 फरवरी तक सदस्यों से आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी तथा उसी दिन आवश्यक संशोधन के उपरांत अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके उपरांत आगामी 20 फरवरी को चुनाव अधिसूचना जारी की जाएगी। यह अधिसूचना चुनाव समिति द्वारा जारी की जाएगी, जिसमें पूर्व प्राचार्य प्रो. महेंद्र प्रदीप, पूर्व प्राचार्य प्रो. श्याम लाल फुलेला, प्रो. सुरिंद्र सिंह तथा प्रो. शेर सिंह शामिल होंगे। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार आगामी 05 मार्च को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों के लिए नामांकन दाखिल किए जाएंगे। आगामी 07 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच कर वैध उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित की जाएगी। आगामी 09 मार्च को नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अंतिम प्रत्याशी सूची जारी की जाएगी। मतदान आगामी 22 मार्च को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संपन्न होगा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत उसी दिन मतगणना कर चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

- प्राचार्य डॉ. अनीता माडिया की अध्यक्षता में हुई बैठक

सिरसा। दिव्यांग सहायता शिविर में जांच करते हुए चिकित्सक।

दिव्यांग सहायता शिविर में 30 की हुई जांच

सिरसा। खारियां शैक्षणिक एवं दिव्यांग सेवा समिति द्वारा दिव्यांग सहायता शिविर लगाया गया। यह शिविर खारियां शैक्षणिक एवं दिव्यांग सेवा समिति के तत्वावधान में संस्था के सचिव रोहताश के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर के मुख्यातिथि डॉ. प्रदीप थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान डॉ. अमित ने की। इस अवसर पर विशेष शिक्षक वीरपाल, विनोद, फिजियोथेरेपिस्ट शुभम एवं स्पेशल एजुकेटर कोमल सहित पूरी टीम का सराहनीय सहयोग रहा। शिविर में 25 से 30 दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। इस दौरान दिव्यांगता की जांच, परामर्श एवं आकलन किया गया। साथ ही दिव्यांग पेंशन, पुनर्वास सेवाओं से जुडने, दैनिक जीवन क्रियाओं में सुधार तथा सहायक उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों को स्वावलंबी एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए जागरूक किया गया। शिविर के दौरान गांव के दिनेश, महेंद्र, राहुल, ओमप्रकाश, हरीश सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

योग सहायक सुनेहा ने सूर्य नमस्कार अभियान के तहत करवाया योगाभ्यास

सिरसा। जिला के गांव फरवाई, पनिहारी, बरूवाली प्रथम, भरोखा व ढाणी भरोखां के व्यामशाला, स्कूलों व आंगनवाड़ी में आयुष योग सहायक सुनेहा द्वारा सूर्य नमस्कर का अभ्यास करवाया गया। योग सहायक सुनेहा ने बताया कि नियमित रूप से सूर्य नमस्कार करने से शरीर की रोग- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने में सहायक है। इसके साथ ही सूर्य नमस्कार से पाचन क्रिया में सुधा होता है और मानसिक व तनाव कम होता है। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार अभियान 12 जनवरी से शुरू किया गया था जोकि 12 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सूर्य नमस्कार योग का एक संपूर्ण अभ्यास है, जिसमें 12 आसन शामिल होते हैं। इसके नियमित अभ्यास से शरीर, मन और आत्मा तीनों को लाभ मिलता है।

सिरसा। योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों ने किया सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेले का भ्रमण

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन एवं जेजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्टाफ सदस्यों व विद्यार्थियों ने सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय क्राफ्ट मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, लोक कला, हस्तशिल्प एवं पारंपरिक कारीगरी से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से आए कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प वस्तुओं, हथकरघा उत्पादों, लोक कलाओं एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। मेले में प्रदर्शित विविध संस्कृतियां, पारंपरिक वेशभूषा, खान-पान एवं कला शैलियों ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने अलग-अलग देशों व प्रांतों के सांस्कृतिक, साहित्यक, भाषाई, हस्तकला व शिल्प इत्यादि की विविधता को समझा जो उनके ज्ञान व मनोरंजन हेतु महत्वपूर्ण क्षण रहा। इसके साथ ही अलग अलग राज्यों से आए देशी व विदेशी कलाकारों द्वारा रंगारंग गायन व नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जो मेले के आकर्षण का मुख्य केंद रबिंदु रहें जिनका सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने लुत्फ उठाया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने कॉलेज विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को शुभकामनाओं सहित रवानगी देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षिणक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है तथा वे हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से समझ पाते हैं।

बुजुर्गों की पेंशन काटने की जेजेपी परिवार ने की भर्त्सना

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा व युवा जेजेपी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र सुथार ने संयुक्त रूप से भाजपा की ओर से परिवार पहचान पत्र में आय बढ़ाकर बुजुर्गों की सम्मान पेंशन काटने के लिए कड़ी आलोचना की है। शनिवार को जारी बयान में जेजेपी पदाधिकारियों ने कहा कि देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गों के सम्मान को देखते हुए उनके लिए 100 रुपए मासिक पेंशन आरंभ की थी जो अब 3 हजार हो गई है, मगर वर्तमान भाजपा सरकार ने पेंशन पाने वाले बुजुर्गों की परिवार पहचान पत्र में आय बढ़ाकर व अन्य शर्तें लगाकर पेंशन काटी है और उनका अपमान किया है, जिसे जेजेपी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। जेजेपी नेताओं ने राज्य सरकार से अविलंब पेंशन से संबंधित शर्तें हटाकर बुजुर्गों को पहले की तरह ही नियमित रूप से पेंशन देने की अपील की है ताकि उनका सम्मान बरकरार रह सके। जेजेपी जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने कहा कि चौधरी देवीलाल द्वारा पेंशन सहित सभी वर्गों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें अमलीजामा पहनाया था मगर मौजूदा भाजपा सरकार उन्हें एक एक कर समाप्त करती जा रही है और अब बुजुर्गों की पेंशन पर भी काटने जैसा गंभीर कार्य किया है, जिसे जेजेपी परिवार कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने राज्य सरकार को चेताया कि यदि बुजुर्गों की पेंशन को तुरंत बहाल नहीं किया गया तो जेजेपी राज्यव्यापी आंदोलन चलाने पर विवश होगी।

सिरसा। केंद्रीय बजट पर महिला संवाद कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

केंद्रीय बजट पर भाजपा महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित

सिरसा। शहर की नहर कॉलोनी में शनिवार को भाजपा महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। जिला बजट टोली के संयोजक सागर केहरवाला ने केंद्रीय बजट की उल्लेखनीय एवं प्रमुख बातों को रखते हुए कहा कि यह बजट महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग के उत्थान को ध्यान में रखकर बनाया गया है। कार्यक्रम संयोजक सुमन सैनी ने विशेष रूप से महिलाओं से संबंधित बजट प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया और बताया कि किस प्रकार यह बजट महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा। इस अवसर पर महिला जिला अध्यक्ष एडवोकेट भावना शर्मा ने बजट की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी। गौरतलब है कि भाजपा केंद्रीय बजट को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए निरंतर संवाद कार्यक्रम आयोजित कर रही है, ताकि आमजन को बजट की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में अपने संदेश के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने भी केंद्रीय बजट पर अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर राजेश जालंधरा, वीरेंदर तिन्ना, स्मृति सिन्हा, अनिता सैनी, पुष्पा सिंह, रेखा सोनी, बबीता ढल, गीता सैनी, सोनिया शर्मा, गीता, पूनम, रेखा, तनु बंसल, पुनीत बंसल, हेमंत सैनी, अंजू, कोमल, योगिता, लक्ष्मी सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शीतला माता मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम

रतिया। शीतला माता मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

मां शीतला मंदिर सेवा ट्रस्ट रतिया की तरफ से मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सुंदरकांड पाठ करवाया गया। प्रातःकाल हवन यज्ञ से कार्यक्रम से शुरुआत हुई तथा श्री राम भगत सेवा मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ किया गया। बांके बिहारी महिला मंडल, श्री अमरनाथ महिला मंडल, श्री बाबा रामदेव महिला मंडल, मां शीतला मंदिर सेवा महिला मंडल द्वारा संकीर्तन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान आए हुए यजमानों को सम्मानित किया । इस मौके पर श्री श्याम बंसल, प्रधान इच्छापूर्ति काली माता मंदिर, लक्ष्मण बंसल, राजेंद्र मोंगा बिट्टू, राजेश सेतिया प्रधान शक्ति नाटक क्लब, रमेश लाकड़ी, करनैल सागू, मास्टर महेश, करमजीत कौर, सुरजीत सिंह सिद्धू, पुजारा लाल चुघ, हिमांशु चावला प्रधान संगमेश्वर महादेव कावड़ संघ, पवन जांगड़ा, मां शीतला मंदिर सेवा ट्रस्ट के सदस्य दिनेश गोयल, जोकेश जिंदल, मास्टर अरिहंत, काशीराम सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी यजमानों तथा संस्थाओं सम्मानित किया गया।

जागरूकता नशा आज समाज के लिए एक गंभीर और बड़ी चुनौती

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों से जुड़ना बेहद जरूरी : रामकुमार

नशे को खत्म करने के लिए युवाओं को अहम जिम्मेदारी निभानी होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

जमाल पुलिस चौकी इंचार्ज रामकुमार ने नाथूसरी चौपटा थाना क्षेत्र के गांव जमाल में स्थित खेल स्टेडियम में पहुंचकर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रामकुमार ने कहा कि नशा आज समाज के लिए एक गंभीर और बड़ी चुनौती बन चुका है, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों से जुड़ना बेहद जरुरी है। समाज से नशे को पूर्ण रुप से खत्म करने के लिए युवाओं को अपनी अहम जिम्मेदारी निभानी होगी तभी हम नशा मुक्त समाज की कल्पना कर सकते है। यह न केवल व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज की सामाजिक व आर्थिक स्थिति को भी कमजोर करता है। नशे की लत के कारण व्यक्ति की सोच और व्यवहार में नकारात्मक बदलाव आता है, जिससे वह अपनी पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में असमर्थ हो जाता है। उन्होंने बताया कि नशे के सेवन से व्यक्ति कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाता है, जिससे उसका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे पूरे परिवार को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सिरसा। खेल स्टेडियम में पहुंचकर युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते चौकी प्रभारी।

तस्करी करने वालों की सूचना पुलिस को दें

इसके अतिरिक्त नशे के कारण समाज में अपराध, हिंसा और असुरक्षा की भावना बढ़ती है। उन्होंने युवाओं से आपसी भाईचारा बनाए रखने और खेलों के माध्यम से नशे से दूर रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन, सामाजिक संगठनों और खासकर युवाओं को मिलकर संयुक्त प्रयास करने होंगे। साथ ही नशे के आदी लोगों को इलाज और पुनर्वास की सुविधाएं उपलब्ध कराना भी बेहद आवश्यक है। अंत में उन्होंने आमजन से अपील की कि नशा बेचने या तस्करी करने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके।

खबर संक्षेप

बेटी के जन्म पर मिलती है 21 हजार की 'लक्ष्मी'

सिरसा। हरियाणा सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से बेटियों के कल्याण हेतु आपकी बेटी हमारी बेटी योजना क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, लिंग अनुपात में सुधार लाना और बालिकाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करना है। सरकार इस योजना के जरिए बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने और समाज में उनके महत्व को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। यह योजना बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है।

सड़क हादसे में पुलिस ने गाड़ी चालक को काबू किया

फतेहाबाद। रतिया में घग्गर पुल के पास एक मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए रतिया पुलिस ने आरोपी गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाकर एक मोटरसाइकिल सवार को घायल करने और उसे नदी में गिराने का आरोप है। आरोपी की पहचान सूरज कुमार पुत्र देशराज निवासी अलीका के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरिक्षक प्रहलाद ने बताया कि इस बारे मनप्रीत सिंह निवासी पिलछिया ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि 6 जनवरी की शाम को जब वह अपनी प्लेटिना मोटरसाइकिल पर खेत से घर लौट रहा था, तो घग्गर नदी के पुल पर सामने से आ रही एक सफेद रंग की गाड़ी के चालक ने लापरवाही से उसे सीधी टक्कर मार दी।

शराब ठेके से लाखों की नकदी गबन का मामला

फतेहाबाद। शराब ठेके से लाखों की नकदी लेकर फरार होने के मामले में कार्रवाई करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने दो सेल्समैन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान सुंदर उर्फ मोनू निवासी भोडिया बिश्नोईयान, जिला हिसार वा नवल कुमार पुत्र देशराज निवासी भाणा, जिला हिसार के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरिक्षक सुरेन्द्रा ने बताया कि इस बारे पुलिस ने सरना एंड कम्पनी के प्रोपराइटर ईश कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उन्होंने अपनी शराब की दुकानों पर सेल्समैन रखे हुए थे। आरोपियों ने भरोसे का फायदा उठाते हुए ठेके की शराब बेची और बिक्री से प्राप्त भारी-भरकम राशि लेकर फरार हो गए।

पुलिस बल की सतर्कता, अनुशासन एवं तत्परता ही शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी गारंटी

आईजीपी ओपी नरवाल ने कानून-व्यवस्था व दंगा-निरोधक तैयारियों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा सशस्त्र पुलिस, मधुबन के पुलिस महानिरीक्षक ओपी नरवाल ने शनिवार को जिला फतेहाबाद का दौरा कर कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था ड्यूटी के लिए गठित दो पुलिस कंपनियों का निरीक्षण कर उनकी कार्यक्षमता, संसाधनों एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।

पुलिस लाइन फतेहाबाद पहुंचने पर पुलिस महानिरीक्षक ओपी नरवाल का पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने स्वागत किया। इसके बाद पुलिस लाइन ग्राउंड में गठित पुलिस कंपनियों द्वारा प्रस्तुत दंगा-निरोधक ड्रिल का निरीक्षण किया गया। आईजीपी ओपी नरवाल ने पुलिस कंपनियों को निर्देश दिए कि सभी दंगा-निरोधक उपकरण पूर्णतः कार्यशील अवस्था में रखें जाएं तथा नियमित अभ्यास के माध्यम से किसी भी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटने की तैयारियां सुदृढ़ रखी जाएं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की सतर्कता, अनुशासन एवं तत्परता ही शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की सबसे बड़ी गारंटी है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, डीएसपी जगदीश चंद्र, डीएसपी संजय कुमार, डीएसपी कुलबंत सिंह, डीएसपी नरसिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आईजीपी को जिले में लागू सुरक्षा प्रबंधों, पुलिस बल की तैनाती तथा अपराध नियंत्रण हेतु किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फतेहाबाद। फतेहाबाद में दंगा निरोधक ड्रिल का निरीक्षण करते आईजीपी ओपी नरवाल। फोटो : हरिभूमि

फतेहाबाद जिले में दो पुलिस कंपनियां सक्रिय

एसपी सिद्धांत जैन ने आईजीपी को बताया कि जिला फतेहाबाद में लॉ एंड ऑर्डर के लिए दो पुलिस कंपनियां सक्रिय हैं, प्रत्येक कंपनी में 107 अधिकारी एवं जवान तैनात हैं। इसके अतिरिक्त, दो विशेष क्विक रिस्पांस टीमों का गठन भी किया गया है, जो शॉर्ट नोटिस पर तुरंत ड्यूटी के लिए उपलब्ध रहती हैं। सभी कंपनियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित है, जिसके अंतर्गत जवानों को विषम एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आईजीपी ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

निरीक्षण उपरांत पुलिस लाइन स्थित सभागार में आईजीपी एचएपी मधुबन की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान आईजीपी ओपी नरवाल ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, सीलिंग प्लान, रिस्पांस टाइम, पेट्रोलिंग व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अफवाह, असामाजिक गतिविधि अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से शांति भंग करने के प्रयासों पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कर्मियों के मनोबल को बनाए रखने हेतु साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

सालों के इंतजार के बाद आई भर्ती में सिर्फ 39 को पास करना युवाओं के साथ मजाक

- सरकार रोजगार देने के बजाय युवाओं को बाहर करने की नीति पर काम कर रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जतिन खिलेरी।

हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा पीजीटी कंप्यूटर साइंस भर्ती के घोषित परिणामों को जेजेपी ने सरकार की विफलता बताया है। जननायक जनता पार्टी के युवा जिलाध्यक्ष जतिन खिलेरी ने इस परिणाम पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे शिक्षित युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया है। उन्होंने कहा कि 1711 पदों के विज्ञापन के जवाब में केवल 39 अभ्यर्थियों का चयन होना यह दर्शाता है कि सरकार रोजगार देने के बजाय युवाओं को बाहर करने की नीति पर काम कर रही है। जतिन खिलेरी ने जारी बयान में कहा कि पीजीटी कंप्यूटर साइंस के 1711 पदों के लिए लगभग 5000 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। बड़ी संख्या में युवाओं ने लिखित परीक्षा दी, लेकिन जब परिणाम आया तो केवल 39 अभ्यर्थी ही योग्य पाए गए। इसके चलते 1672 पद रिक्त रह गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कंप्यूटर साइंस जैसे व्यावहारिक विषय में ऐसा परिणाम आना सामान्य नहीं है और इसके लिए चयन प्रक्रिया व मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा होनी चाहिए।

बीएड कॉलेज में बी.वॉक का परिणाम घोषित, पूजा ने पाया पहला स्थान

- पूजा ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मनोहर मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम बी.वॉक यानि मैनेजमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होने के उपरांत कॉलेज परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस पाठ्यक्रम में पूजा ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं राजपाल कौर ने 71.1 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर रही, जबकि सुमन ने 70.6 प्रतिशत अंक लेकर तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का मान बढ़ाया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि व्यावसायिक शिक्षा विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी बनाती है और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान के साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ाती है।

कानूनी साक्षरता में क्रेसंट स्कूल की कनिष्का व कुश का राज्य स्तर पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल के विद्यार्थियों ने शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह प्रतियोगिता राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, हिसार में मंडल स्तर पर आयोजित की गई, जिसमें अनेक विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विद्यालय की मेधावी छात्रा कनिष्का ने निबंध लेखन में अपने प्रभावशाली विचार, सशक्त भाषा एवं तर्कपूर्ण प्रस्तुति के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विजय का परचम लहराया। छात्र कुश ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति शैली, विषय की गहरी समझ एवं आकर्षक स्लाइड्स के माध्यम से द्वितीय पुरस्कार जीतकर विद्यालय को एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि दिलाई। दोनों विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता से विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यार्थियों ने न केवल अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, बल्कि कानूनी जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषय पर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी दर्शाई।

फतेहाबाद। कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता में अव्वल रहे क्रेसंट के विद्यार्थी।

सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर डीआईटीएस कर्मचारी लामबंद, बीजेपी जिलाध्यक्ष को सौंपा मांग पत्र

फतेहाबाद। हरियाणा प्रदेश को डिजिटल गवर्नेंस में देश का अग्रणी राज्य बनाने वाले जिला सूचना एवं प्रौद्योगिकी सोसायटी के हजारों कर्मचारी आज स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। सीएम विंडो से लेकर सरल पोर्टल और ई-दिशा केंद्रों तक, सरकार की हर महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने वाले ये कंप्यूटर प्रोफेशनल अब अपनी सेवा सुरक्षा के लिए सरकार की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। अपनी मांगों को लेकर लेकर डीआईटीएस कर्मचारियों ने शनिवार को बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। डीआईटीएस के अंतर्गत कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटरों और कंप्यूटर प्रोफेशनल्स का कहना है कि वे पिछले 15 से 30 वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रहे हैं। चाहे कोरोना काल की आपदा हो, चुनाव का कार्य हो या राजस्व रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, इन कर्मचारियों ने सदैव अग्रिम पंक्ति में रहकर कार्य किया है। विडंबना यह है कि करोड़ों रुपये का राजस्व जुटाने वाली इस व्यवस्था के कर्मचारी आज भी कानूनी सुरक्षा से वंचित हैं।

ओढां। परीक्षा में भाग लेते परीक्षार्थी।

जेएनवी ओढ़ा में कक्षा 9 व 11 की प्रवेश परीक्षा संपन्न

ओढां। पीएम-श्री जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में शनिवार को सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9 एवं कक्षा 11 की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कक्षा 11 की प्रवेश परीक्षा का आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा परिसर में किया गया। इस परीक्षा के लिए कुल 177 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 99 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। वहीं कक्षा 9 की प्रवेश परीक्षा सिरसा शहर के दो परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। डीएवी स्कूल, बरनाला रोड सिरसा में 336 नामांकित विद्यार्थियों में से 241 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। इसी प्रकार आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिरसा में 318 नामांकित विद्यार्थियों में से 227 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस प्रकार कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए कुल 654 विद्यार्थियों ने आवेदन किया, जिनमें से 468 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

युवा महोत्सव में सीडीएलयू की सांस्कृतिक टीम का परचम

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा की सांस्कृतिक टीम ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तहत आयोजित 39वे इंटर-यूनिवर्सिटी नॉर्थ-सेंट्रल जोन यूथ फेस्टिवल 'यूनिफेस्ट 2025-26' में शानदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। यह महोत्सव महर्षि मारकंडेश्वर (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), मुलाना में आयोजित किया गया। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा की निदेशक युवा कल्याण डॉ. मंजू नेहरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्रों ने संगीत, नृत्य, रंगमंच एवं ललित कलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्रों ने लोक ऑर्केस्ट्रा एवं वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग में प्रथम स्थान, लाइट वोकल (गज़ल), फोक ट्राइबल डांस एवं पोस्टर मेकिंग में द्वितीय स्थान, जबकि ऑन-द-स्पॉट पेंटिंग एवं क्ले मॉडलिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सिरसा। युवा महोत्सव में सीडीएलयू की सांस्कृतिक विजेता टीम।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण

छात्रों को मानसिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रतिया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रतिया के महिला प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किशोरावस्था शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक परिवर्तनों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर सिविल अस्पताल, फतेहाबाद से डॉ. अनीता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. अनीता ने छात्राओं को किशोरावस्था के दौरान आने वाले शारीरिक परिवर्तनों, मानसिक तनाव, पोषण, स्वच्छता, हार्मोनल बदलाव, भावनात्मक संतुलन तथा स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है, जिसमें सही मार्गदर्शन, जागरूकता और संवाद की आवश्यकता होती है।

डॉ. अनीता ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखने, तनाव से बचने, स्वस्थ आदतें अपनाने तथा आवश्यकता पडने पर चिकित्सकीय या परामर्श सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने भी इस सत्र में सक्रिय भागीदारी दिखाई तथा अपने प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

रतिया। खालसा कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. अनीता।

In Loving Memory of
Smt. Ram Bhateri
1938 - 05 February 2026

With deep sorrow and heavy hearts, the Gehlawat family informs the peaceful passing of Smt. Ram Bhateri, aged 88, on February 5, 2026.

Born in Village Kultana, Haryana, she embraced the values of strength, grace, and devotion from a young age. She married Sepoy Dhoop Singh of 6 MAHAR Regiment, a courageous martyr and war hero of the 1962 conflict. At the tender age of 25, she became a war widow, tasked with nurturing their 8-month-old son. As the brave wife of a soldier who sacrificed his life for the nation, she shouldered her responsibilities with remarkable courage and quiet resilience. Her life stood as a testament to sacrifice, dignity, and unwavering patriotism.

Smt. Ram Bhateri was celebrated for her brave spirit, gentle wisdom, and boundless love. She raised her family with strength and compassion, imparting values rooted in integrity and affection across generations. Her warmth touched everyone who had the honor of knowing her. Though she has departed from this world, her blessings, teachings, and memories will forever remain etched in our hearts.

She is survived and will be deeply remembered by:

- Son: Lt Col Niranjan Singh Gehlawat (Retd), Director Contracts
- Daughter-in-law:Smt. Santosh Kumari, Sanskrit Lecturer (Retd)
- Grandchildren:Mr. Prince Gehlawat & Maj. Shailli Gehlawat
- Granddaughter-in-law:Mrs. Preeti Rana , Manager, SBI
- Grandson-in-law:Maj. Abhishek Singh Thakur
- Great-grandchildren:Advaita ,Advik & Tejas

She will be lovingly remembered and profoundly missed by the entire Gehlawat, Sheoran, Rana, and Thakur families.
For condolences, please contact:
- +91 9530758981
- +91 9050889557

ॐ OM SHANTI ॐ

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

स्पेशलः वैलेंटाइन-डे 14 फरवरी

रोहतक,रविवार 8 फरवरी 2026

{ आवरण कथा / सरस्वती रमेश }

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है,वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के

लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोंस के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

{ नया दौर / डॉ. अनिता राठौर }

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं।

आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

{ कविता / आरती आस्था }

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

{ व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी }

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के काड्र्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

{ लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना' }

सच्चा प्यार

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, मूल्यः 50 रुपए

{ बेमिसाल / शिखर चंद जैन }

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अद्वितीय-लाजवाब-शानदार
विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

बोल्ट कैसल अमेरिका

बोल्ट कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ट ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओएस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ट का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

शैटो डी चेनोंसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोंसो को अकसर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है।

दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिनसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलिएट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डि गियुलिएट्टा, 13वीं सदी की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट

की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अटूट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने 1923-1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिले की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लिंकन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गेडिंगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

अपने देश भारत में भी प्रेम की दो बेमिसाल निशानियां मौजूद हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निस्संदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कीमती पत्थरों की पच्चीकारी की गई है।

सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे 'श्रीनगर का ताज' भी कहा जाता है। यह बाग 'चहार बाग' शैली पर आधारित है और तीन छतों में विभाजित है, जो जल निकायों और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिनार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

प्रेम की भावना को व्यक्त करते प्रतीक

प्रेम की गहरी भावना को व्यक्त करने के लिए पुराने दौर से ही कई तरह के प्रतीकों का सहारा लिया जाता रहा है। प्रेमी युगल के बीच प्रचलित प्रेम के कुछ प्रतीकों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

{ मान्यता / अंजू जैन }

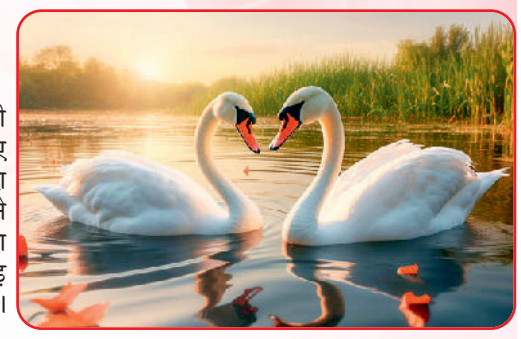

प्रेमी या प्रेमिका को जब अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए शब्द नहीं सूझते या फिर वे ज्यादा प्रभावशाली तरीके से प्यार का इजहार करने की चाहत रखते हैं तो ऐसे प्रतीकों का सहारा लेते हैं, जो बिना कुछ कहे उनके दिल में उमड़ रही प्यार की भावनाओं को व्यक्त कर देते हैं। ऐसे ही कुछ प्रतीकों पर एक नजर-

वीणा: वीणा केवल संगीत का वाद्ययंत्र ही नहीं है, यह अपने मधुर सुरों के माध्यम से भावनात्मक जुड़ाव और प्रेम के गहरे पहलुओं को भी प्रकट करती है। वीणा को प्रेम, शांति और सद्भाव का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति और विभिन्न वैश्विक परंपराओं में इसके अलग-अलग प्रतीकात्मक अर्थ हैं। नॉर्वे और आइसलैंड की परंपराओं में माना जाता है कि वीणा के तार एक सीढ़ी बनाते हैं, जो प्रेम और आध्यात्मिक चेतना की उच्च अवस्थाओं तक पहुंचने का मार्ग है। वीणा की मधुर ध्वनि को अकसर प्रेम के गीतों और आकर्षण से जोड़ा जाता है।

रोज क्वार्ट्ज: रोज क्वार्ट्ज को मुख्य रूप से निःस्वार्थ प्रेम, करुणा और भावनात्मक उपचार के पत्थर के रूप में जाना जाता है। यह कोमल गुलाबी रंग का क्रिस्टल हृदय चक्र से गहराई से जुड़ा होता है, जो आत्म-प्रेम रोमांटिक रिश्तों में सुधार, मित्रता और पारिवारिक प्रेम को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता यह प्रेम के सभी रूपों को आकर्षित करता है, प्रेम के टूटे रिश्तों को जोड़ने में मदद करता है। यह प्रेमियों के बिछड़ने से होने वाले दर्द, भावनात्मक पीड़ा और तनाव को दूर करने में सहायक है। वैवाहिक जीवन में शांति और प्रेम बढ़ाने के लिए इसे बेडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह शुक्र ग्रह से संबंधित है, जो रोमांस, सौंदर्य और कलात्मकता को बढ़ाता है।

हंस: हंस अपनी वफादारी, समर्पण और आजीवन साथ निभाने के स्वभाव के कारण प्रेम, निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। इन्हें अकसर एक-दूसरे के साथ कपल के रूप में देखा जाता है, जो गहरे प्रेम और रोमांस का प्रतीक है। वे अपने साथी के प्रति जीवन भर प्रतिबद्ध रहते हैं और एक-दूसरे के साथ गर्दन मोड़कर दिल के आकार की आकृति भी बनाते हैं। इनके बीच इतना गहरा लगाव होता है कि लोग अकसर प्रेमी जोड़ों को 'दो हंसों का जोड़ा' कहते हैं।

सेब: सेब ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से प्रेम, सुंदरता और उर्वरता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ग्रीक और रोमन कथाओं में यह प्रेम की देवी एफ्रोडाइट वीनस से जुड़ा है। एफ्रोडाइट प्राचीन यूनानी पौराणिक कथाओं में प्रेम, सौंदर्य, इच्छा और प्रजनन क्षमता की मुख्य देवी थीं। रोमन पौराणिक कथाओं में उन्हें 'वीनस' के रूप में जाना जाता है। वीनस, अकसर सेब धारण किए हुए चित्रों में दिखाई देती हैं। सेब को 'प्रेम का फल' भी माना जाता है। यह अकसर काम भाव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है।

इनफिनिटी चिन्ह: इनफिनिटी चिन्ह, क्षैतिज आठ की आकृति जैसा दिखता है और शाश्वत प्रेम, अटूट बंधन व समर्पण का सार्वभौमिक प्रतीक है। इसका मतलब है वह प्यार जिसका न कोई आरंभ है और न कोई अंत। यह एक गहरा भावनात्मक प्रतीक है, जो समय और स्थान से परे शाश्वत संबंध और कभी न खत्म होने वाली प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रेमी जोड़ों या परिवार के सदस्यों के बीच के स्थायी और मजबूत संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उपयोग आभूषणों (अंगूठी, नेकलेस, ब्रेसलेट), टैटू और उपहारों में किया जाता है ताकि अपने स्नेह की गहराई को व्यक्त किया जा सके। *

आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपका कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

{ अलग नजरिया / नम्रता नदीम }

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपल्स की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई साथी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल्स के ग्रुप को ज्वाइन करें और अपने सिंगल हुड को एंज्वाय करें।

शादीशुदा भी तो खुश नहीं

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपल्स शादी करके भी अकसर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हुड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंज्वॉय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

करियर पर फोकस करें

कॉलेज में अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर के साथ खुश देखकर उनसे द्वेष करना सही नहीं है। हो सकता है वो सामान्य दोस्ती में हों, न

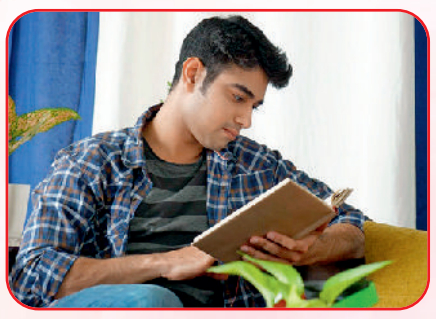

कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंज्वॉय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हुड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम ग्रुप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंज्वॉय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हुड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना

चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हुड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

सोच समझकर बनाएं रिलेशन

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबर्दस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबर्दस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

{ सिने-ट्रेंड / अशोक जोशी }

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मी पर्दे पर खूब दिखती रही हैं ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं

'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला

'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्में भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

खूब पसंद की गईं ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमगाथाएं पर्दे पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के. आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म की विशेषता रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव छू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पर्दे पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गायिका बेटी रूपमती की प्रेमगाथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषण और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह मगध के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959 में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्म्स ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम

कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेंद्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं चल पाईं। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरीश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनू', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शीरी-फरहाद' ऐसी लोक

चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में उनके भतीजे ऋषि कपूर और रंजीता अभिनीत 'लैला-मजनू' सबसे ज्यादा सफल रहीं। सन 1956 में बनी 'शीरी फरहाद' में प्रदीप कुमार और मधुबाला की भूमिकाएं थीं। लोक प्रेम कहानियों में पंजाब की माटी से जन्मी 'हीर-रांझा' और 'सोहनी-महिवाल' की प्रेम कहानियों पर सफल फिल्में बनी हैं। पहली फिल्म 1958 में बनी थी। इसमें भारत भूषण और निम्मी की भूमिकाएं थीं। इसके बाद 1984 में भारत और रूस के सहयोग से बनी 'सोहनी-महिवाल' का निर्देशन उमेश मेहरा ने किया था। इसमें सनी देओल और पूनम ढिल्लों के साथ जीनत अमान भी थीं। अनु मलिक के मधुर संगीत से रची यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही। राजस्थान की लोककथा पर आधारित फिल्म 'ढोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था।

कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *